

## शिक्षा एवं अधिगम में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को अपनाने के परिप्रेक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'

प्रिय साथियो (14 देशों से आए सभी सहभागी-अधिकारी, शिक्षाविद्, विद्यालय शिक्षक तथा राष्ट्रीय सूचना तथा प्रौद्योगिकी पुरस्कृत अध्यापक)

आधुनिक समाज में सूचना तथा प्रौद्योगिकी के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जरा सोचिए कितनी बार और कितने अलग-अलग तरीकों से हम इंटरनेट, मोबाइल फोन तथा कम्प्यूटर का उपयोग कर रहे हैं। जिस प्रौद्योगिकी से यह सम्भव हुआ है वह दैनिक जीवन के प्रत्येक आयाम में एकीकृत है। आज सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत बढ़ गया है। परिणामस्वरूप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा ई-सेवाओं ने विकास हेतु समस्त समाज को परिवर्तित किया है जिसमें ग्रामीण अंचल, दूर-दराज के क्षेत्र तथा वंचित समूह भी शामिल हैं।

सम्पूर्ण जगत ने एक गाँव का रूप ले लिया है। डिजिटल भारत, भारत सरकार का एक मुख्य कार्यक्रम है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 जुलाई 2015 को डिजिटल भारत अभियान का शुभारम्भ किया। उनका दर्शन भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज बनाना तथा बौद्धिक पूँजी को बढ़ाना है।

यह अभियान सुनिश्चित करता है कि सरकारी सेवाएँ नागरिकों के लिए, ऑन लाइन आधारभूत संरचना और इंटरनेट सम्पर्क में सुधार के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराए जाएँ। इसके अलावा देश को डिजिटल रूप से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सशक्त किया जाए। यह मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों पर केन्द्रित है- सभी नागरिकों के लिए डिजिटल आधारभूत संरचना की उपयोगिता, मांग के आधार पर सेवाएँ, नागरिकों का डिजिटल सशक्तीकरण। डिजिटल भारत और सकौशल भारत कार्यक्रम कौशल, विस्तार और रफतार को बढ़ाता है। डिजिटल भारत के अन्तर्गत शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बहुत से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पहल जैसे- मुक्त शिक्षा संसाधन बनाना, ऑन लाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना, मोबाइल एप के माध्यम से सफलतापूर्वक सूचनाओं को प्रसारित करके विविधताओं के कारण विभाजित देश को एक साथ जोड़ना है। आज प्रत्येक राष्ट्र शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्य कर रहा है। यहाँ सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंच पर अनुभवों की सफल कहानियों द्वारा सार्थक अधिगम होगा। ये सर्वांगीण विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के द्वारा शिक्षा में सुधार हेतु स्पष्ट तथा विशिष्ट उद्देश्य मार्गदर्शिका तथा समयबद्ध लक्ष्य, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धि तथा सभी सत्रों पर प्रतिबद्धता आवश्यक है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के नियोजन हेतु कुछ आवश्यक तत्व वर्तमान शैक्षिक प्रणाली का गहन विश्लेषण, ई-सामग्री का विकास तथा शिक्षण अधिगम में सुधार हेतु नियमित प्रशिक्षण हैं। विशेष आवश्यकता वाले बालकों की शिक्षा हेतु हमारे माननीय प्रधानमंत्री की गहरी संवेदना है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग इन विद्यार्थियों के इस समूह के लिए भी अति आवश्यक है। इस मंच पर इन बच्चों की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

भारत सरकार ने बहुत से मुख्य कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया है। जैसे कि पढ़े भारत, बढ़े भारत, बेटे बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुगम्य भारत, स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत। जनसमूह की सूचना तथा शिक्षा के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विशेषकर, सामाजिक माध्यमों के उपयोग की आवश्यकता है। वैश्विक अन्तरों को पाटने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को कारगर होना चाहिए तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के द्वारा पूर्ण सार्थक, खुशहाल, स्वस्थ, आनन्दमय तथा स्पंदित जीवन सम्भव होना चाहिए। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग तथा विभिन्न संस्थानों के संसाधनों के साझे केन्द्र बनने चाहिए।

मैं आशा करता हूँ कि विभिन्न देशों, एन.सी.इ.आर.टी. तथा यूनेस्को का संयुक्त योगदान सभी के लिए वृद्धिकारक होगा।

जय हिन्द! जय भारत!